

॥ उैनमः सिद्धे नमः ॥ अथ सुगुरुमतकानाया
लिरव्यते ॥ दोहा ॥ नमंसाधुनिर्ग्रंथगुरु परा
मधरमहितदेन सुगतिकरतनविजननि
कं नानैदरूपसुवैत १ बुद्धिवदसुधिका
पते सुगुरुकुगुरुसुधिनोय सुगुरुमतक
केसुनतही इविधारहेतकोय २ वोरवोर
जिनग्रंथमे कब्योसाधुकोनेद आववीसा
गुणमूलविन दृथासिंगकोषेद ३ उत्तरगु
राकेफारकंते मुनिपदविनसेनाहि मूल
विणद्वैविरषत्तो बालफलफलजाहि ४
तिलतुमनादिलगाइके वज्रतपस्विहने
द सोकवहंरापैतही तीनकालनिरपेद ५
अवदसडः खमकालमे सोगुरुदीसैनाहि
तिनविनओरगुरुनही नमेसुसम्पकजा
हिं ६ सुकुलसीलजुतनारिको नरनागा
योविदेस पतिपरिहैसुसीलिया तजैकु
सीसीसेस ७ तातैसम्पकनावकुं राषो ॥

सुगु०स०

१

वाहेकोय नेकमानहं कुगुरुकं नमोनका
वहैसोय ८ कलपितजुक्तिवनाहके को
इकाहेहरषाह नेकनमोनैकुगुरुकं हिंसा
किसविधिआह ९ हिंसाकेहेनेवहै स्व
रकहेजिनेस आपोआपवबोहा हिंसाभ
ईविसेस १० परहिंसापरजीवकी करैआ
एकोनास सैहिंसाअसीनई नवनवपाह
नास ११ केईकुमतीयौकहै जैनजिनसव
एक लिनकुंहेनाजासको केसैलोसविवेक
१२ सिवमारगकुंगोएकारि मुष्ककरैजगरा
ह गुरनाहीवगहैवहै विनपूजीकेसाह १३
सांचीकथनीसुगुरुविनु कहेनधारिनाग
केसांचीआवाकहै लेनेकोनहैजाव १४
परकुंधरममुनाहकरि चोहैपूजानेट ग्रंथ
सहितगुरुवनिरहे दियोधरमसवमेट १५
इसेकुगुरुजाकेघरां गुरुहेमोजनलेह १६
रमायोधनहैगयो गयोजनमनरदेह १६

१

गिरहैतैगिरनौनलो परनजलधिमेंसार
वांवीमुषवैसनमलो बुरोकुगुरुयोहार १
हालाहलपीनौनलो आनिधवैसकुंवीम
लालपालकगुरुनिथकी नलीनहीजुअ
लीक १० घरवतचैत्यालोपिनै आक्क
जनकुंसिष केमहंतनिनकुंवहै हम
नोनुमरेनिष ११ तुमरेवडेकदीमते
मानतचालतराह ताहीमारगतुमचलोध
मेमरिल्योलाह १० असेवचननिसंवेधो
वोकवडईपाह नलिनीकेरोस्वटो उड्यो
नतासंजाह ११ जैसैवेपारकनर वगोथ
कोहरषाह त्योनुवगोमिथातगुरु हैसि
हैसिधर्मवगाह १२ नेकनमोनैसग्रंथकं स
मकितरतनवगात वलसावेनहैवोहा
जनसजवाह्वारात १३ परतरनेकनिहा
रतै जातप्रियाकोसील त्योनुनमोनैसग्रंथकं
समकितरहेनडील १४ नेकफिरैतैजंग

२

श्री

मैं सरपनोंसवजाइ नेकनमेंसप्रथकं स
 मकितजाइपलाइ २५ स्वपनविंदकेषि
 रतही जतीसतीपनजाइ स्वपनमात्रसगं
 थकं नमोनसमकितथाइ २६ कोइकुल
 धीयोंकहै मूठनकुंयत्काइ कपरितेन
 मनेथकी समकितकेसैजाइ २७ मनव
 चकायातीनमें धवलकायकोपाप संगे
 मंसमारनेआरेर्नकरहुसथाप २८ ता
 सैमनवचकायमें कोनधवलहोजाइ ता
 हीकोइपनवकत कलीसुगुरुसु निगाइ
 २९ माततासुतघातको नतोजातकी
 रह धरमनतोसिवराहहै जितनावैसित
 जाइ ३० ततैमनवचकायतें सुनेप्रथा
 नेलोका धरमनताकेजनमिकं कवडैना
 हीजेठोका ३१ जेनप्रथजेदीनही नहीसु
 पुरुकीवास तिनकुंवेलेनोनही कुल्लान
 परगास ३२ जेजुकहैहमजानियो सुगुरु

२

य

कुगुरुकोमेद पेहनतेंयोहार तोछेडेउ
 पजेयेद ३३ कालअनंतोयोभायो साधता
 हीयोहार कवरुंमकुंनानयो सुगुरु
 गुरुनिरधार ३४ कुगुरुकुंवेकधरमकुं
 नमस्कारइकवार आरिलापपरनामिको
 पापफेरितहंसार ३५ सुतसागरटीका
 करी कुगुरुनिषेदअपार संसेजाकेहोय
 सो देखिकेनिरधार ३६ गतिगतिमेंवडा
 विपत्तिभुत ग्रहोग्रहीतमिथ्यात वोळवडा
 ईयाइकरि तजिनसकोविष्यात ३७ जा
 मूरधअज्ञानपे ग्रहोअज्ञाजोजाइ तोअ
 तनतजसके नवअनंतडषदाइ ३८ धर
 तेनकरवाइये इहग्रहीतमिथ्यात नेदवि
 नाछेडोअनही धरेअनंतोगात ३९ नमेंक
 ईतेंकुगुरुकुं मनवधनेलनपाइ ताविष
 कंनवनवविषे धरेअनंतीकाइ ४० नाम
 दिगंबरकोकहै अवरधारैजेय देषतन

य

य

लीकरतहै मरुतजानैनेय ४१ परुपातके १
 डंतही परकुंभरषजांति आवकजनकुंभा
 इकरि चतुरआपकुंभांति ४२ वेसेगुरुआ
 वकानही जैसेडःखमकाल जैसेतुमआ
 वकारहे तेसेहमगुरुवाल ४३ नियार
 हनोजोपपतहि गुरुविनुजाननहोय ऊंट
 याहपरगानको कौताकहियेसोय ४४
 कमलकजोडेनीपजे अगनिमाहिहिमहो
 य धरिसंगादिगांवरा तिनमुषधर्मनकोय
 ४५ बाल्पीलेतेलकै अहिमुषअंमृतसे
 य तजनकवहुंजेनके वसनसहितगुरु
 कोय ४६ अर्द्धदयअज्ञानतर परुपात
 कोमल नेदजानिकारिनमतहै तिनकेमस
 तगधूलि ४७ जानिहलाहलुपायहै अन
 जानेहुंघाय दोउमरेसंसैतही पापनअसले १
 जाइ ४८ यातैजानिअजानित् अलिबिस
 रिहैचित्र नमस्कारमुनिगुरुधिन कवहुं

नकाजिमिन ४९ वंसनहीजादेसमैं कालदे १
 घेहेसोइ कागनकुंभसागिनैं जैसेमूरफको १
 इ ५० लौकिकवचननलेवगैं मरुतजाने
 नेद गुरुसंज्ञाकेकथनतैं वहकावैकरिषे
 द ५१ वचनगुरुसिष्यागुरु वयअधिका
 गुरुहोइ धरमगुरुकाकुओरहे समजिन
 सोपदयेय ५२ लेयकथनहुंवऊतहैं जे
 यकथनहुंहोय उपादेयहुंवचनहैं देख
 जानिगहसोय ५३ कालअनंतोवीतियो
 इहविधिधरिधरिकाइ मुगुरुकुगुरुकीपर
 षको कवहुंनवनोउपाइ ५४ उलटपल
 टसिष्यासुनी मतमतकीकडवार मुरगतर
 कवहुंगतिविषे नहिमनोनिरधार ५५ वे
 तनकोइहदयवहैं जेचेतोतोवीर मरुतजान
 मेसेहोतहै मुगमराहतैधीर ५६ मोहदे
 मकीराहइह ऊंदऊंदमुनिराइ अगादि
 पाईसविनीकुं कैविदेहअवजाइ ५७ न

यप्रमाणनिरूपयते देवधर्मगुरुवीक करि
 आतमअनुनवकरो विकल्पतजोअली
 क ५८ करिसमाधितनुछादिके सदाचरु
 थोकात्त असमुद्धेनमेकपते सुरतहिहो
 तसमाल ५९ अतकेवलिकेवलिनहो
 रहैसासतेधर सुधातसमुनिपदविमल
 नावलिगाधरिवीर ६० फेरिसिष्यपसम
 करे किसविधिमाधनहोय इसडःखम
 कलिकात्तमें किहैविधिपइएसोय ६१
 अनंतासुबंधीप्रवल प्रथमवैकरीसोय
 वडारितीनमिथ्यातहै सातप्रकृतिनहिहो
 य ६२ षयहोतैसातौप्रकृति क्षयकसम
 कितहोय उपसमतेउपसमकही षयज
 पसमषयहोय ६३ षयउपसमविधिनी
 नहै वेदकहैविधियारि क्षयकउपसम
 नेदहैयोनवनेदचितारि ६४ करणाल
 वधिहैपांचमी सोननईरेजीव आरिलवा

धिवज्जवारनइ जानऊआतमपीव द्य
 काललवधितैसहजही उपजेविनउपदे
 स केगुस्केउपदेसतै द्येप्रकासपरदेस
 ६६ आरुगतिमेंहोतहै सैनीजियसरा
 यो मिथ्याभावविद्यारिकें समकितहोय
 अना ६७ ज्ञानगर्वमतिमंदता निवुर
 वचनछरनाव आलसपांचविधिकिया
 समकितनासप्रभाव ६८ चितप्रभाव
 नामेंरहै ह्योह्यसुजान धीरजहरषप्र
 नता नूषनपंचवधान ६९ षट्अनाइ
 तनमूढअय आवदोषमदआव एपंची
 संमलकहै मलतैमैलोवाव ७० ठोरठोर
 जिनप्रथमें नेदनेदअपार देषिसीधनिर
 नेकरो सुरतहोयनिधार ७१ सस्थानीज
 नदेषिकारि मनमेंहरषितहोय मिथ्यावि
 षईजननिक्कं नाहिसराहैसोय ७२ स्वमि
 थ्यातओयनलौ सबगुनजाइपलाइ ही

रकनीमोदिकपरी तिनकुंकोननपाइ ७४
 घतमीमेवाविविधि औपननरीसमस्त
 सुनकिरियाविद्यादिवद्ध समकितविना
 निस्त ७५ घाटनेमिथ्यातको मदन
 जानैनेद गुनविनत्रापपनाइहै सुनतैक
 नेनिषेव ७५ घाटनेमिथ्यातको वंदनी
 कसोअन निंद्यरुवंध्यरुवंध्यनिंदि औसो
 नेदतजेन ७६ समकज्ञानविनानककु
 नेदनजान्योनाइ तातैसमकितहोनको
 जेनीकरोतपाय ७७ जैसैंचिंतामणिबडो
 सबरततनिकेमोहिं सौसबधर्मनमैंबडो
 समकितसंसैनाहिं ७८ सिद्धनयेहैंहोय
 ग॥ तीनकालतिहैंलोय समकितकोपरत
 पइह्द भ्रमजानैमतिकोइ ७९ याविधिह
 नसमकितनए कहैजिनागसमाहिं असम
 नावसंवेगाता द्याआसतिकताहिं ८० कु
 पुआदिककेसागते वाहिरकीसुधिहोय अ

तरंगपरद्वयतैनिनतत्तहैसोय ८१ वाहि
 रवसत्तरसागतै होतछठोपुनथान कुप
 रादिकवाहिरतजे कहिएसम्पकवान ८२
 वाहिरकीदिदतानये संकादिकसबजाइ
 धर्मरत्नयोवेनही वोक्तबडाईपाइ ८३ जि
 नेनवाहिरतैमिटै नमनक्रियाकीमूल नि
 तनैसंधाकजली कवहुंनहोहैमूल ८४
 नेकवडाईकेकहे तजेनमरपटेक नेषकु
 नेषगिनैनही नमैधामिअविवेक ८५ वह
 मूरषवहिरातमा करैकुपुरुकीपोष कहे
 नमनकिरियाविना हमनैदीसैदोष ८६ अ
 ध्यातमसैलीविषे सुनेसिद्धंतनमूल विनु
 समुजेपषाहरहे एइअपरबलमूल ८७
 पढेथकेहैंअपढे छठोपांनअपांन ने
 कपणकेकारोणो योवैधर्मअथान ८८ अ
 ध्यातमसैलीसद रहेअनंतेकाल याविन
 कोसैपाइए धर्मदिगंवरचाल ८९ सेतरा

कपीताक्षिये धारैमनकीटिक जेनजेनसवण
 इहै नाहिदिगंवर एक ॥०॥ आपासमेवनजु
 किवल सैलीपंपराय अतनवकाहै एक
 करि मतपरषोइहमाय ॥१॥ परषविनायो
 पारमै तुरतहिंघोयेषाय यातैपहलीपरषि
 करि मतगहिारिनाय ॥२॥ जिनकेहियमैप
 रुहै तिनहिंनहिंनिस्थार किरकिरनाइ
 नही धूलिअणिमोवार ॥३॥ पदेसुनैइस
 तककं मनमैधारेपान हेयदिगंवरपंथके
 ताहीकैसरधान ॥४॥ अलपकालमैसिव
 लहै यामैसंसैनाहिं सुपुरुदिगंवरपंथके
 इतनुतनवकैकाहिं ॥५॥ मध्यदेसमैदेस
 इह नामहुंदाहरकोइ जेपुनारसुहवण
 तामैकहिपेय ॥६॥ तहैजेनमतकोवडे
 ससहैपभाव जेनजेनमैहीरहै नेदनेद
 लभाव ॥७॥ नेदभावअतिहोतहै मुदिह
 नईपरतीति पितामह्यतारैहमै तजीकु

लिंगिनप्रीति ॥८॥ गोधाजाकोगोतहै श्राव
 गकुलहैजास अध्यातमसैलीविषे नामका
 हेजिनदस ॥९॥ अद्वारासैवावने चेतमा
 सतमलीन सोमवारआवैतहै सतकसंपू
 रावीन १०० इतिश्रीसुपुरुसतकसंपूर्ण
 संवत् १९१५मीतिमंगलसुदि ५ सुक्रवार
 नपरतलामसमै ॥ श्री ॥ श्री ॥ श्री ॥ श्री ॥ श्री ॥
 अथसस्वतीस्तोत्रलिखते नमोकेवल
 नमोकेवलरूपनगवानमुख उंकारधु
 निमुनिमुअर्योगाधरविचारै रुचिआ
 गमतपदेशनवकजीवसंशयनिवारै से
 सत्पारथशारदा तामुनक्तिउरआमि कं
 दतुजागध्यातमै अष्टककहं वपानि कं
 दः जिनाधीशजाताजिनेंद्राविरयाता वि
 श्वद्वधुद्वतनीलोकमाता इराचारड
 रोहिरीशंकराणी नमोदेविवागेश्वरीजे
 नवाणी १ सुधाधर्मशिवसाधनीधर्मश

ला मुधातापनिर्नोशिनीमेधमाला मल
 मोहविध्वंसिनीमोहदानी नमो० २ अथ
 वृक्षवारवायनीतानिलाया कथासंस्क
 तप्राकृतादेवनाया विद्वानंश्चमाला
 कीराज्यधानी नमो० ३ समाधानरूपा
 अनपाभ्रलुघा अनेकांतस्याद्यद्वयदे
 कसुघा त्रिधासमधाद्यद्वयानीवधानी
 नमो० ४ अक्रोपाभ्रमानाभ्रदनाभ्रलो
 ना श्रुतिज्ञानरूपामतिग्यानशोभा म
 हापाषाणाभाषनाभ्रयमानी नमो० ५ अ
 तीताभ्रजीतासदानिर्विकारा विषेवादि
 कारवंडनीखड्गधारा परापायविच्छेदक
 र्त्राकिपाणी नमो० ६ अगाधाभ्रधा
 निरंधानिराशा अनंताभ्रनादीश्वरी
 कर्मेनाशा निरंधानिरंधाचिदंकाभ्रवा
 वनी नमो० ७ अशोकामदेकाविवे
 काविधानी जगज्जंतुमंत्राविविधावसा

नीसमस्ताविलोकातिरस्तानिदानी न
 मो० ८ जैनवाणीजैनवाणीसुनिर्देजे
 जीवसमर्थ अर्थपदजनैश्वधारजे
 पुरिषतेषतीतिमनमोहिंश्रानै॥ जिहि
 दिनचेतुवृणारसी॥ देहिधर्मउपदेश
 तीसवपावैपरमसुखा॥ तजिसंसारकले
 शा॥ १॥ इतिसंपूर्ण॥ श्री॥ श्रीरक्त॥ पुन
 अथपांडवोपसर्गसहनवर्णन॥ करपाछंदः
 पंचपरचंडवलचंडपांडवमहाजिनहस्योमो
 हडरजोधराजा ध्यानसंधानधनुवारवरना
 वनाहंनिडरनावनारतमुकाजा
 दारुतनमारज्योकाइवलतीलपीअनलअ
 नर्तजवअरिलगाई नीरतलिमछिमंसीचि
 मियरीकरतकोपकीआनिनहिंजगनपाई
 देह्यदेषेहमयनेह्यासौनरीअनलसौजा
 लतपुद्गालनिकाई गेहुकेदहननैदहन
 नहिंगाननीरूपतपयोमियहमसादाई ४

वारणा पंचपरचंद्रवलचंद्रपा० काश्चिरमानीये
 ८ रायजयययहीज्ञानममिमसुक्रंवरविद
 ह्यो नरमकीजवसिकर्मकीजीवसौकोव
 विकलपचकाबुहसास्यो देवजलबुद्ध
 हंछेयअरुजोवनधानधनविषयधनसम
 विधास्यो जानिनिजस्यपिस्त्रिभिरपुत्र
 लविनौचसिंदेहदलनअरिसिंधास्यो १
 पंचपरचंद्रवलचंद्रपा० इतिअनित्यानुषे
 हा हरवोदौरवोदोणहरजनयसीछोफिने
 जसरनपसरणापाने धारिहरधानधनुवा
 नअविवेकलैमानकेनेदेपुनसुजनहाने म
 तगजराजनटवीरसायुधधनेरहतचक्रंकर
 जहंसावधाने जंतुकोंगहततिनमाहिजमा
 राजज्योदिष्टितकिआपुतुगाआपुमाने पंच
 पा० १ सिंधजिमहनतमगासाधनमांदि
 स्योजीविकोंधेरिजमराजआने आनुविनका
 लतैहोतरहानहंकोटिजोंइंदुपगारवाने

८

नादिसंसारमेसरनकोईअपरछूटिविद
 पजोकोइजाने धारिअमनोषडागमविमु
 विवेकाहिद्येनधरधानमास्योविधाने पं
 च० २ इतिअसरनानुषेहा २ पंचपरा
 कारसंसारसुरचेलोसंचिपरपंचसौक्रम
 तिजीने दर्वअरुमेतगानिकालनभवनावा
 हीबंधकेजोरनहिजाइछीने असेचिइपा
 थिरअथिरसौकिमरमेंतुमजगअनंतपरा
 वर्तईने लथागहिएमवेरणनरीगदामेर
 चेतोरिमेंदानकीने पंच० ३ इतिसंसार
 नुषेहा ३ इतअमअनेकत्वअरिकौमा
 हाहतपरपछनहिलछचीनै वंधुसुत
 मितपरिवारमेंएकहतनोगातामेंसुकरत १
 रदीनै जनमरेमराअरुलानसुषडयस
 येआपउपजाइसिरआपलीनै हतकोम
 टिइमसेइचिइपथिरएकतालीनस्वाधीन
 कीनै पंच० ४ इतिएकलानुषेहा ४ १

वार० ना

९

जीवकिरीयाकरमनिन्नतहिंअरिधुजाकुम
तिकेरूपयहहैअनेदी लगतमनपौनफ
रहरतइंदिविषैजाइनहिनेदबुधविनजके
दी निन्नयहहैअमिचीरवाहिरलपौनि
नएकरमकिंमहोदयेवी सर्वसौअनपइम
जानितेरीधुजाधसातसिवर्गविधुपवेदी
पंच० ५ इतिअनपत्तानुषेका देहचतुरं
गमयअसुविअरिसेनहैमेपफुलरतअरु
विथारी चर्मकवकवचदिडिविविधिमय
सषमदीसधसंधवकंउरनारी होतजिम
लगतमुनांधडरगंधमयसौधकीसतुअप
विअसारी देहकीप्रीतिविपरीतिडरजनच
मंवरितिवरहीसुचितधरिविदारी पंच० ६
इतिअनपत्तानुषेका ६ लरतअरिसेन
पतिनेषआअवधरैमेदसत्तावनेसुनठलो
गा पंचमिथातफुनिदहसैअनिरतकाया
यपचीसत्रिकापंचतोगा तावछिदतचैदे।

९

बुमतजिमजलधिमेंजीवनवसांहितिमका
र्मनोगा रेकियौसेनपतिगुरुजसंजमलये
नजनविधुपतजिविषयनोगा पंच० ७ इ
तिआश्रवानुषेका ७ सैनपतिरोधैतैआ
सलहिजीतिकाभोषकौमीतसंवरमिलाने।
संगजिससुरनिजअंगसत्तावनेपतिअथ
र्मसविधिवधानो पंचतहंसमितिबरनाम
नाछदसैपंचवतवीसडइपसिहानो ८।
षपदध्वांनिरछिदुनोकाचढेधोरसंसार।
कोपारजानो पंच० ८ इतिसंवरानुषेका ८
रतनत्रयजटितदितमंडतवकराहीनिर।
जरारूपतरवारिपाकी गानकेसानघडिम
ईअतितिछनीपाकअविपाकडइधारजा
कीपूर्वकृतकर्मडरसुरथादेमहाडरितको।
हंसतेसुततआकी नीरजिमसोषीएसेषस
रवरसैमास्थिमसानतिमकरेवाकी ९ पंच
इतिनिर्जरानुषेका ९ तवहिजाससमनव।

प्रियाथैल्योलेकरेपाकीमेदतिनसववत ।
 यो पाइडकराडकरजुगमकाटियैधरेपुरष
 आकारयहलोकाज्यो आदिअरुअंत
 सौरहितकारिमेमहीवर्धमधिमधिनयन ।
 तिगायो हारिकौघमनतैजानवैधिनल
 विधारिनिजध्यानशिवायहपायो पंच०
 १० इतिलोकानुधेका १० नोधधनकौध
 रेनमतचजंगतिविधेध्याटडरवोधयह
 कारीजीधा नयतासुनुषपदमुकुलमेज
 नमलेविमलजिनधर्मधरिविधेरीधा तद
 पिनिजरुपविद्रुपमौजानिवोकहतयह
 कडलेनसुवेधा बोधकेवानहतिकर्ण
 डरवोधकौहोइथिरचेतरुसमेतसोधा पं
 च० ११ इतिबोधडलीनानुधेका ११ वि
 विधिपापंमयधरममिथ्याधरैकौरवारु
 पसौंन्रातकरा लोमसैमंधमतिधुंधल
 तेफिरैनरमकेनावसौअधममरा उधरि

संसारतैधरतसिवपदविधेधर्मसौसत्यज
 नधर्मपरा सुधननधर्मअविकलपमुदग
 रलयेसनुषकचरसवकरेइरा १२ पंच०
 इतिधर्मानुधेका १२ नाइइमभावनाध्या
 नविठतालईनटनकीरीतिथससहजल ।
 ई देहसौनेहतजिगोहशिवकेचलेपायप
 यप्रविमयाकौनघाई रोकिमनजेमाकौंसु
 छनपयोगलेपिपककेरथचटेतीनीनाई
 ध्यानधरिमुद्धअधिकराँलोगाराधिके
 सुधिरकेअप्रवकरावाई पंच० १२ ।
 आयुअरहितअनिष्टतिकराँलोगेतेरे
 नामकीइस्कीनी मोहगहसअटवीसैके
 दीजवैगपामआवराकीपंचछीनी दसम
 वरननौपंचगानिविधनकीनेसवेअहनि
 इमधूरिदीनी यथसन्नयघाततेछीनका
 मयसैज्ञानलहिअंतमौजीतिलीनी पंच०
 १४ मोहडरजोधकौपोजसवहीपायोजीति

नारना०

११

किंसीतवादित्रवाजें ज्ञानकीआंतपरमाजग
मेंफिराजकेतेजसिकलोकलाजें चारिअ
दिअंतकेपुनिअधातीइतेअंतकसकेव
लीनाससाजें पंचलक्षवर्षजघनधिसिकें
विधेसिद्धहैसोपुरेजाविराजें पंच० १५
ग्याननिरखानकल्याणउतस्योतवैशानि
अधनाशकरसुरेसाजा ननक्षसूलेशा
सिसुनतजैनीसदानावसंग्रामसुनिराजक
जा पंचपरचंतवत्तवंपांफवसहातिनह
स्योमोहदुरबोधराजा आंतसंधानधनुवां
नवरनावनाहानिदुरनावमारतसुकाजा
ह दोहा जुगघातामर्शितनुज किंचितध
रिसुननाव सरवारथसिद्धिगरो लहिउत
किष्टीआत १९